दैनिक भास्कर
बिलासपुर 12-06-2025

सरगुजा संभाग में डिजिटलाइजेशन एवं स्कैनिंग सेंटर शुरू, सीजे बोले- प्रदेश की न्यायपालिका में तकनीकी क्रांति

लीगल रिपोर्टर | बिलासपुर

छत्तीसगढ़ राज्य की न्यायपालिका ने तकनीकी उन्नयन की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर स्थापित करते हुए सरगुजा संभाग के पांच जिलों अंबिकापुर, बलरामपुर, बैकुंठपुर, सूरजपुर और जशपुर के जिला एवं सत्र न्यायालयों में डिजिटलाइजेशन एवं स्कैनिंग सेंटर का वर्चुअल शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने वर्चुअली किया।

सीजे सिन्हा ने इस मौके पर कहा कि यह छत्तीसगढ़ की न्यायपालिका के लिए एक ऐतिहासिक और गर्व का क्षण है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के कुल 15 जिलों में इस महत्वपूर्ण परियोजना के तहत डिजिटलाइजेशन और स्कैनिंग सेंटर की स्थापना की जा चुकी है। इस पहल से न्यायिक प्रक्रिया में पारदर्शिता, दक्षता और त्वरित निर्णय लेने की प्रक्रिया को बल मिलेगा। साथ ही, यह तकनीकी परिवर्तन पेपरलेस न्यायालयों की ओर एक बड़ा कदम है, जिससे अधिवक्ताओं, पक्षकारों और न्यायिक कर्मचारियों को भारी दस्तावेजों के बोझ से मुक्ति मिलेगी। सीजे ने अपने दो वर्षों के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए कहा कि जब उन्होंने 29 मार्च 2023 को पदभार ग्रहण किया था, तब राज्य की न्यायिक व्यवस्था की चुनौतियों को प्रत्यक्ष तौर पर देखा था। लेकिन आज न्यायिक अधोसंरचना में हो रहे निरंतर विकास को देखकर गर्व का अनुभव होता है। उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि आने वाले समय में न्यायपालिका के अधोसंरचना को और अधिक सुदृढ़ एवं अत्याधुनिक बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जाएंगे। कार्यक्रम में हाई कोर्ट कम्प्यूटरीकरण समिति के अध्यक्ष जस्टिस नरेन्द्र कुमार व्यास, सदस्य जस्टिस नरेश कुमार चंद्रवंशी सहित अन्य न्यायाधीश वर्चुअली शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत सरगुजा के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के स्वागत भाषण से हुई। समापन बैकुंठपुर के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस अवसर पर रजिस्ट्रार जनरल, रजिस्ट्री के अधिकारी, न्यायिक अधिकारी, कर्मचारी आदि मौजूद रहे।